न्यूज डायरी

दक्षिण कोरिया में हजारों जोड़ों ने शादी रचाई, कुछ ने पहने मास्क

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) गैप्योंग। दक्षिण कोरिया में करॉना वायरस के फैलने की चिंताओं के बावजूद शुक्रवार को यूनिफिकेशन चर्च में एक सामूहिक समारोह में हजारों जोड़ों ने शादी रचाई। इनमें से कुछ ने चेहरे पर मास्क लगाकर शादी की। चर्च ने 30,000 लोगों को मास्क बांटे लेकिन उनमें से कुछ ने ही इन्हें पहना। चोई जी–यंग ने कहा, श्मुझे बहुत खुशी है कि मैं आज शादी कर रही हूं। यह झूठ होगा अगर मैं कहूं कि संक्रमण को लेकर मैं चिंतित नहीं हूं लेकिन मुझे लगता है कि मैं आज वायरस से सुरक्षित रहूंगी। पड़ोसी देश चीन में महामारी का रूप ले चुके करॉना वायरस के दक्षिण कोरिया में 24 मामले सामने आए हैं। सियोल ने हाल फिलहाल में वुहान में रहे विदेशियों को देश में प्रवेश करने से रोक दिया है।

नेपाल ने कमी को दूर करने के लिए चीन को 100,000 मास्क दिए

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काठमांडू। नेपाल ने शुक्रवार को घातक कोरोनावायरस के प्रकोप से जूझ रहे चीन को 100,000 सुरक्षा मास्क भेंट किए। अब तक इससे 630 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। चीन में मास्क की कमी होने के बाद नेपाल ने मास्क देने का निर्णय लिया। विदेश मंत्री प्रदीप कुमार ग्यावली और स्वास्थ्य मंत्री भानुभक्त ढकाल ने यहां एक कार्यक्रम में नेपाल के राजदूत होउ यान्की को मास्क सौंपे। नेपाल सरकार ने बृहस्पतिवार को एक उच्च–स्तरीय बैठक में चीन को एक लाख सुरक्षा मास्क भेजने का निर्णय लिया। इस अवसर पर चीनी राजदूत होउ ने नेपाल सरकार और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को कोरोना वायरस से लड़ाई में योगदान के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, "इस तरह के समर्थन और एकता से चीन और उसके नागरिकों को इससे लड़ने की इच्छाशक्ति मिलती है।'' चीनी अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि कोरोना वायरस से चीन में अब तक 636 लोगों की मौत हो चुकी है और संक्रमण के 30 हजार से ज्यादा मामलों की पुष्टि हुई है।

अमेरिकी दूत ने सांसदों को कश्मीर, अफगानिस्तान के संबंध में दी गोपनीय जानकारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। एक शीर्ष अमेरिकी राजनयिक ने प्रतिनिधि सभा के सदस्यों को कश्मीर और अफगानिस्तान के बारे में गोपनीय जानकारी देने के लिए बैठक की। अमेरिकी सांसद ब्रैड शेरमैन ने ट्वीट किया कि दक्षिण एवं मध्य एशिया मामलों के लिए अमेरिका की कार्यवाहक सहायक मंत्री एलिस वेल्स ने गुरुवार सुबह भारत, कश्मीर और कश्मीर पर श्गोपनीय जानकारी देने के लिए शानदार बैठक की।श इस बैठक के बारे में और कोई जानकारी तत्काल उपलब्ध नहीं है। गोपनीय जानकारी देने के लिए बैठक सदन की विदेश मामलों की समिति के अनुरोध पर की जाती है। वेल्स हाल में श्रीलंका, भारत और पाकिस्तान की यात्रा से लौटी हैं। वेल्स ने यह बैठक ऐसे समय में की है कि जब भारतीय अमेरिकी सांसद प्रमिला जयपाल द्वारा पेश एक प्रस्ताव प्रतिनिधि सभा में लंबित है।

यूएस ने यमन में अलकायदा नेता कासिम अल रिमी को मार गिरायाः ट्रंप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। वॉशिंगटन अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पुष्टि की है कि यमन में आतंकवाद रोधी एक बड़े अभियान के तहत अमेरिकी बलों ने अलकायदा इन अरब पैनिन्सुले (एक्यूएपी) के संस्थापक एवं नेता कासिम अल रिमी को मार गिराया है। इसी जिहादी समूह ने अमेरिकी नौसैन्य अड्डे पर गोलीबारी की जिम्मेदारी ली थी। अलकायदा प्रमुख अयमान अल जवाहिरी के सहयोगी रिमी (46) को 2015 में अमेरिका के सर्वाधिक वांछित आतंकवादियों की सूची में शामिल किया गया था। अमेरिका ने रिमी की सूचना देने वाले को एक करोड़ डॉलर का पुरस्कार देने की घोषणा की थी। ट्रंप ने गुरुवार को कहा, श्उसकी मौत एक्यूएपी और अलकायदा की वैश्विक मुहिम को और कमजोर करती है।

कश्मीर के मुद्दे पर फिर पाकिस्तान पड़ा अलग थलग

ओईसी

कश्मीर के मुद्दे पर बहस न होने के फैसले से इमरान खान बुरी तरह से बौखलाए

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। पाकिस्तान का कश्मीर के मुद्दे पर पूरी दुनिया में अलग–थलग पड़ना कोई पहली बार नहीं हुआ है। लेकिन इस बार खास ये हुआ है कि इस्लामिक देशों के संगठन ओआईसी ने भी इस मुद्दे पर उसे अकेला छोड़ दिया है। बहुत कोशिश करने के बाद भी ओआईसी जैसे मंच पर कश्मीर के मुद्दे पर बहस न होने के फैसले से इमरान खान बुरी तरह से बौखला गए हैं। आपको बता दें कि यह 57 इस्लामिक देशों का संगठन है। संयुक्त राष्ट्र के बाद इसी संगठन में सबसे अधिक देश सदस्य हैं। इस संगठन की तरफ से आया कोई भी बयान पूरी दुनिया के लिए खासा अहमियत रखता है।

इस्लामिक सहयोग संगठन के सदस्य देशों की जनसंख्या की यदि बात करें तो 2018 के मुताबिक यह करीब 190 करोड़ है। इस्लामिक सहयोग संगठन के सदस्य देशों की जीडीपी की यदि बात की जाए तो यह करीब 27,949 अरब डॉलर की

है। इसमें कतर और संयुक्त अरब अमिरात संगठन के सबसे अमीर देशों के तौर पर शामिल हैं। ये संगठन 43 लाख से अधिक लोगों नौकरी देता है।

इस संगठन के बनने की कहानी अपने आप में बेहद दिलचस्प है। 21 अगस्त 1969 को येरुशल की 800 वर्ष पुरानी अल–अक्स मस्जिद भीषण आग की चपेट में आने के बाद तबाह हो गई थी। उस वक्त येरुशलम के मुफ्ती अमीन–अल–हुसैनी ने इसका आरोप इजरायल पर डाला था। उन्होंने सभी मुस्लिम देशों से एक सम्मेलन में शामिल होने की अपील की। यह सम्मेलन इजरायल और अल–अक्स मस्जिद के पुनर्जिवित करने के मकसद से बुलाया गया था। 25 सितंबर 1969 को हुए इस सम्मेलन में 24 मुस्लिम देशों ने भाग लिया था। यह सम्मेलन मोरक्को के रबात शहर में आयोजित किया गया था।

नाम में किया गया बदलावः इस सम्मेलन में सभी मुस्लिम देशों के बीच सहयोग बढ़ाने को लेकर एक प्रस्ताव पास किया गया। इसमें आर्थिक, विज्ञान, सांस्कृति और धार्मिक समेत सभी क्षेत्रों में सहयोग की बात की गई थी। इस सम्मेलन के छह माह बाद 1970 में मुस्लिम देशों के विदेश मंत्रियों की सऊदी अरब में बैठक आयोजित की गई जिसको ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इस्ल्लामिक कॉफ्रेंस का नाम दिया गया था। 1972 में इसके नाम में बदलाव कर इसको ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कॉपरेशन किया गया।

बौखलाए इमरानः पाकिस्तान और इस संगठन की बात करें तो आपको बता दें कि सऊदी अरब के दबाव में इस मंच से कश्ष्मीर का मसला न उठाने का फैसला इमरान खान को इस कदर नागवार गुजरा है कि वह ये कहने से भी नहीं चूके कि इस संगठन की कोई एक आवाज नहीं है। पाकिस्तान के अखबार द डॉन के मुताबिक बौखलाए इमरान ने मलेशिया की यात्रा पर ये भी कहा कि आखिर कब तक कश्मीर के मसले पर संगठन खामोश रहेगा।

करॉना वायरस से जंग, चीनी ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों के जज्बे को करेंगे सलाम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बीजिंग। चीन के वुहान शहर से फैले करॉना वायरस के खिलाफ जंग में कम्युनिस्ट देश ने सेना को उतार दिया है। महामारी का रूप लेते जा रहे करॉना से लड़ने के लिए चीन ने मात्र 10 दिन में 1 हजार बेड का हॉस्पिटल बना दिया। अब तक 600 से ज्यादा लोग इस बीमारी के शिकार हो चुके हैं और करीब 28 हजार से अधिक लोग संक्रमित हैं। आलम यह है कि चीन में मरीजों के बेड और अन्य चिकित्सा सामानों की भारी कमी हो गई। गंभीर संकट की इस घड़ी में ऑस्ट्रेलिया में रह रहे चीन के लोगों की एक पहल ने लोगों के दिलों को छू लिया है। दरअसल, ऑस्ट्रेलिया में रह रहे चीनी मूल के लोगों ने मेलबर्न से चीन के गुआंझाउ शहर जा रही उड़ान की सारी टिकटें खरीदीं और हर सीट पर राहत सामग्री रखकर उसे चीन भेज दिया। चीनी नागरिकों के इस शानदार प्रयास का विडियो चीन के विदेश मंत्रालय के अधिकारी लिजिआन झाओ ने ट्विटर पर शेयर किया है जिसकी सोशल मीडिया पर जमकर प्रशंसा हो रही है।

इस बीच चीन को बीमार लोगों को भर्ती करने के लिए बेड की भारी कमी से जूझना पड़ रहा है। करॉना वायरस के गढ़ वुहान शहर में एक करोड़ से अधिक लोग रहते हैं। यहां के 8182 मरीजों को 28 अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

पाकिस्तानी वायुसेना का विमान दुर्घटनाग्रस्त, पायलट सुरक्षित

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तानी वायु सेना (पीएएफ) का एक मिराज विमान शुक्रवार को नियमित अभ्यास के दौरान पंजाब प्रांत में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पीएएफ ने एक बयान में कहा कि पंजाब प्रांत में शोरकोट क्षेत्र के पास मिराज विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ। बयान के अनुसार विमान का पायलट सुरक्षित बाहर आ गया और वहां जानमाल को किसी भी प्रकार के नुकसान की कोई खबर नहीं है। दुर्घटना के कारण का पता अभी नहीं चल पाया है। पाकिस्तानी वायुसेना मुख्यालय द्वारा दुर्घटना की जांच के लिए एक 'बोर्ड ऑफ इन्क्वॉयरी' गठित करने का आदेश दिया गया है।

चीन में मात्र 15 सेकंड में करॉना वायरस से संक्रमित हुआ व्यक्ति

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बीजिंग। दक्षिण पूर्व चीन में एक व्यक्ति को मात्र 15 सेकंड में करॉना वायरस ने संक्रमित कर दिया। यह व्यक्ति एक बाजार में एक संक्रमित महिला के पास 15 सेकंड के लिए खड़ा हुआ था और इस जानलेवा बीमारी की चपेट में आ गया। करॉना प्रभावित व्यक्ति की पहचान केवल मरीज नंबर पांच बताई गई है। जिआंगबेई के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि यह मरीज शुआंगडोंगफेंग बाजार में मरीज नंबर 2 के पास खड़ा हुआ था।

स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि मरीज नंबर 5 ने खुद को बचाने के लिए मास्क नहीं लगा

यक्ति एक बाजार में एक संक्रमित महिला के पास 15 सेकंड के लिए खड़ा हुआ था

रखा था। अधिकारी अब यह पता लगा रहे हैं कि पीड़ित मरीज नंबर 5 कहां का रहने वाला है और पिछले दो सप्ताह से वह किन–किन लोगों के संपर्क में आया है। बताया जा रहा है कि यह व्यक्ति तटीय शहर निंगबो का रहने वाला है। मरीज का अब इलाज चल रहा है।

करहना वायरस की शुरुआत चीन के वुहान शहर सेः बता दें कि करॉना वायरस की शुरुआत चीन के वुहान शहर से हुई थी। इस बीच चीन ने कहा है कि इस बीमारी से अब तक कुल 564 लोगों की मौत हुई है। अधिकारियों ने बताया कि बीमारी से पीड़ित हजारों मरीजों के इलाज के लिए दूसरे अस्पताल का काम पूरा कर लिया गया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने बताया कि करॉना वायरस के संक्रमण से कुल 564 लोगों की मौत हुई है और 31 प्रांत स्तरीय क्षेत्रों में संक्रमण के 28,018 मामलों की पुष्टि हुई है।

आलम यह है कि चीन में मरीजो के बेड और अन्य चिकित्सा सामानों की भारी कमी हो गई। वुहान में 8182 मरीजों को 28 अस्ध्पतालों में भर्ती कराया गया है। वुहान के सभी अस्ध्पतालों को मिलाकर केवल 8254 बेड ही हैं। इसके अलावा चिकित्ध्सा उपकरणों की भी भारी कम हो गई है।

इस्लाम मंजूर नहीं, अपने मां–बाप के पास रहना है

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) जैकबाबाद। पाकिस्तान की 15 वर्षीय नाबालिग हिंदू लड़की ने स्थानीय अदालत में कहा कि मैं इस्लाम नहीं कबूल करना चाहती है। उसने बताया कि मेरी जिस मुस्लिम शख्स से अली रजा मिर्ची के साथ शादी हुई है, उसके साथ भी नहीं रहना। उसने गुहार लगाई कि उसे उसके मां–बाप के पास भेज दिया जाए। महक के वकील नारायणदास कपूर ने बताया कि कोर्ट के बाहर और अंदर मौलवियों की भारी संख्या में मौजूदगी को देखते हुए जज ने बंद कमरे के अंदर मामले की सुनवाई की। इससे पहले 21 जनवरी को महक ने अदालत में माना था कि उसने अपनी मर्जी से इस्लाम कबूल किया है और अली रजा से अपनी मर्जी से शादी की है। हालांकि वह अपने बयान से पलट गई है और कोर्ट से बताया कि उसने गलती से यह बयान दिया था। बता दें कि पाकिस्तान के सिंध प्रांत स्थित जैकबाबाद से 15 जनवरी को महक का अपहरण कर लिया गया था। आरोप है कि उसका निकाह जबरन अली रजा के साथ करवा दिया गया। इसको लेकर सिंध में हिंदुओं ने भारी विरोध–प्रदर्शन किया।